हाथ में डमरू बज रहा है | By Amit Indora

ॐ नमः शिवाये.....

हाथ में डमरू बाज रहा है
मस्तक चंदा साज रहा है
ये भोला भंडारी है
ये बाबा बर्फानी है
भोले भोले भोले भोले
तीनो लोक के सवामी है
भोले भोले भोले भोले

जो भी भोले बाबा का ध्यान लगाता है
मनचाहा फल वो पा जाता है
भोले बाबा करे नंदी की सवारी
पूजती है तुझे दुनिया सारी
बम बम बम भोले भोले ....

मेरा भोलेनाथ बाबा मस्त मलंगा
जटा से जिनके बहती है गंगा
हाथों में त्रिशूल है साजे
गले में काला नाग बिराजे
तन पे भस्म रमाये शम्भू
वो भोला त्रिपुरारी है
ये बाबा बर्फानी है
भोले भोले भोले भोले
तीनो लोक के सवामी है
भोले भोले भोले भोले

डमरू मधुर बजाये शंकर
इसके खेल निराले हैं
कालो के हैं महाकाल ये
पीते विष के प्याले हैं
भूत प्रेत सब पैरो में गिरते
दुनिया के रखवाले हैं
शमशानों में डेरा जिनका
तीन लोक के स्वामी हैं
ये बाबा बर्फानी है
भोले भोले भोले भोले
तीनो लोक के सवामी है
भोले भोले भोले भोले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a1%e0%a4%ae%e0%a4%b0%e0%a5%82-%e0%a4%ac%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-amit-indora/